UNIVERSITY NEWS 13 JANUARY 2026

AMRIT VICHAR

भारत को अब मार्गदर्शक बनना होगा : योगेंद्र उपाध्याय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ विश्वविद्यालय में 21 पुस्तकों का विमोचन
- नैतिक मूल्यों के बिना शिक्षा समाज को दिशा नहीं दे सकती

अमृत विचार : प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि नैतिक मूल्यों के बिना शिक्षा समाज को सही दिशा नहीं दे सकती। केवल डिग्री आधारित शिक्षा से समग्र विकास संभव नहीं है। योग, आयुर्वेद और भारतीय चिंतन को आज वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया जा रहा है। भारत को अब ज्ञान का उपभोक्ता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक बनना होगा। वह सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में कला, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान विषयों पर आधारित 21 पुस्तकों के विमोचन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

उच्च शिक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को भारत के सांस्कृतिक और बौद्धिक पुनर्जागरण का माध्यम बताते हुए कहा कि यह नीति भारतीय ज्ञान परंपरा, भारतीय भाषाओं और कौशल आधारित शिक्षा को केंद्र में रखती है। उन्होंने कहा कि आज विश्व पर्यावरणीय संकट, मानसिक तनाव और नैतिक मूल्यों के क्षरण जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, जिनका समाधान भारतीय दर्शन और जीवन मूल्यों में निहित है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि 'भारत बौद्धिक्स' के अंतर्गत प्रकाशित पुस्तकें विद्यार्थियों के बौद्धिक, संज्ञानात्मक और नैतिक विकास में सहायक सिद्ध होंगी तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को सशक्त करेंगी।

भारत बौद्धिक्स परियोजना की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए प्रो. जय शंकर पांडेय ने बताया कि यह पहल भारतीय ज्ञान और दर्शन को आधुनिक दृष्टिकोण के साथ विद्यार्थियों तक पहुंचाने का प्रयास है। उन्होंने जानकारी दी कि भारत बौद्धिक्स परीक्षा 31 जनवरी और 1 फरवरी को ऑफलाइन मोड में आयोजित की जाएगी।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. आदित्य मोहनती ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने प्रस्तुत किया।

युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रतिस्पर्धा करने योग्य बनाना है : कपिल देव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता में 464 युवाओं ने दिखाई प्रतिभा
- प्रतिभागियों को तकनीकी दक्षता बढ़ाने के गुर भी सिखाए गए

अमृत विचार : व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रतिस्पर्धा करने योग्य बनाना है। राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता युवाओं की प्रतिभा को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती है। सरकार की ओर से युवाओं को आधुनिक और वैश्विक मानकों के अनुरूप कौशल से सशक्त बनाने के प्रयासों को गति दी जा रही है।

कौशल विकास राज्यमंत्री सोमवार को इंडिया स्किल्स कंपटीशन–2026 के राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता का शुभारंभ करने के बाद बोल रहे थे। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में प्रदेश के 18 मंडलों से आए 464 युवाओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता के पहले दिन लखनऊ स्थित 9 प्रमुख संस्थानों में 16 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इन कार्यशालाओं में छह प्रमुख स्किल्स का ओरिएंटेशन किया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने युवाओं को प्रतियोगिता के प्रारूप, वर्ल्ड स्किल्स मानकों, आधुनिक तकनीकों और मशीनों के उपयोग की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को व्यावहारिक अभ्यास के माध्यम से तकनीकी दक्षता बढ़ाने के गुर भी सिखाए गए।

कौशल विकास मिशन के निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि 13 जनवरी से मुख्य प्रतियोगिताएं शुरू होंगी, जिनमें श्रेष्ठ प्रतिभाओं का चयन अगले चरण के लिए किया जाएगा। इसके बाद ये युवा राष्ट्रीय स्तर और शंघाई, चीन में होने वाली विश्व कौशल प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

AMRIT VICHAR

कर्मयोगी योजना की सूची हुई जारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2025–26 के लिए छात्र कल्याण योजना व कर्मयोगी योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों की सूची को अंतिम रूप दिया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वीके शर्मा की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया था। छात्र कल्याण योजना के अंतर्गत कुल 57 अभ्यर्थियों व कर्मयोगी योजना के लिए के अंतर्गत कुल 48 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है।

DAINIK JAGRAN

'सिर्फ डिग्री आधारित शिक्षा नहीं बना सकती जिम्मेदार नागरिक'

जासं • लखनऊ : उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि नैतिक मूल्यों के बिना शिक्षा समाज को दिशा नहीं दे सकती। केवल डिग्री आधारित शिक्षा व्यक्ति को रोजगार तो दे सकती है, लेकिन जिम्मेदार नागरिक नहीं बना सकती। उन्होंने यह विचार लवि के मंथन हाल में सोमवार को आयोजित पुस्तक विमोचन समारोह में रखे। इस अवसर पर कला, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान विषयों पर आधारित 21 पुस्तकों का विमोचन किया गया। यह पुस्तकें विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की महत्वाकांक्षी योजना 'भारत बौद्धिक्स' के तहत प्रकाशित की गई हैं, जिसका उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा को उच्च शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने की। मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय शिक्षा परंपरा सदैव चरित्र निर्माण, कर्तव्यबोध व सामाजिक उत्तरदायित्व पर आधारित रही है। उन्होंने एनईपी 2020 को भारत के सांस्कृतिक एवं बौद्धिक पुनर्जागरण का माध्यम बताते हुए कहा कि यह नीति भारतीय भाषाओं, ज्ञान परंपरा और कौशल आधारित शिक्षा को केंद्र में रखती है। प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि 'भारत बौद्धिक्स' के तहत प्रकाशित ये पुस्तकें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में भारतीय ज्ञान प्रणाली को अकादमिक मजबूती प्रदान करेंगी। प्रो. जय शंकर पांडेय ने बताया कि यह योजना भारतीय ज्ञान, दर्शन और परंपराओं को आधुनिक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ विद्यार्थियों तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि भारत बौद्धिक्स परीक्षा स्नातक एवं परास्नातक विद्यार्थियों के लिए 31 जनवरी और 1 फरवरी को आफलाइन मोड एवं हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होगी।

AAJ

नैतिक मूल्यों के बिना शिक्षा समाज को दिशा नहीं दे सकती -उच्च शिक्षा मंत्री

लखनऊ-प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने मुख्य अतिथि के रूप में कला, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान विषयों पर आधारित 21 पुस्तकों का विमोचन किया। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने की। भारतीय ज्ञान परंपरा को उच्च शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की महत्त्वाकांक्षी 'भारत बौद्धिक्स' योजना के अंतर्गत पुस्तकों का विमोचन किया गया। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा और नैतिक मूल्य परस्पर पूरक हैं तथा केवल डिग्री आधारित शिक्षा समाज को सही दिशा नहीं दे सकती। भारतीय शिक्षा परंपरा सदैव चरित्र निर्माण, कर्तव्यबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व पर आधारित रही है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को भारत के सांस्कृतिक और बौद्धिक पुनर्जागरण का माध्यम बताते हुए कहा कि यह नीति भारतीय ज्ञान परंपरा, भारतीय भाषाओं और कौशल आधारित शिक्षा को केंद्र में रखती है। मंत्री उपाध्याय ने कहा कि वर्तमान समय में विश्व पर्यावरणीय संकट, मानसिक तनाव और नैतिक मूल्यों के क्षरण जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, जिनका समाधान भारतीय दर्शन और ज्ञान परंपरा में निहित है।

HINDUSTAN

एलयू और कॉलेजों में विवेकानंद को याद किया

लखनऊ विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों में कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। सुरेंद्र नगर स्थित अटल बिहारी वाजपेई नगर निगम डिग्री कॉलेज में युवा संवाद कार्यक्रम हुआ। प्राचार्य डॉ. सुभाष चन्द्र पाण्डेय ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य युवाओं को स्वामी विवेकानन्द के जीवन और विचारों से प्रेरित कर देश का बेहतर भविष्य बनाना है।

'मूल्यों के बिना शिक्षा दिशा नहीं दे सकती'

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय स्थित मंथन कक्ष में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की महत्त्वाकांक्षी 'भारत बौद्धिक्स' योजना के अंतर्गत पुस्तकों का विमोचन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कला, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान विषयों पर आधारित 21 पुस्तकों का विमोचन किया। अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर मनुका खन्ना ने की।

मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि शिक्षा और नैतिक मूल्य परस्पर पूरक हैं और केवल डिग्री आधारित शिक्षा समाज को सही दिशा नहीं दे सकती। भारतीय शिक्षा परंपरा सदैव चरित्र निर्माण, कर्तव्यबोध, सामाजिक उत्तरदायित्व पर आधारित रही है। कहा कि वर्तमान समय में विश्व पर्यावरणीय संकट, मानसिक तनाव और नैतिक मूल्यों के क्षरण जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, जिनका समाधान भारतीय दर्शन में है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को पुस्तकों का विमोचन किया गया।

AMAR UJALA

लविवि में शिक्षकों ने स्वामी जी को अर्पित की पुष्पांजलि

- राष्ट्रीय युवा दिवस पर लखनऊ विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। जिसमें विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

लविवि में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद शिक्षक व शिक्षिकाएं।

लविवि में एमएससी की पढ़ाई 14 से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में एमएससी भौतिक विज्ञान के चौथे सेमेस्टर की पढ़ाई 14 जनवरी से शुरू होगी। प्रवक्ता डॉ. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि जनवरी से जून तक अवधि की नियमित कक्षाएं 14 से शुरू होंगी। समय सारिणी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड है। (संवाद)